अखिल भारतीय श्री जैन रत्न आध्यात्मिक शिक्षण बोर्ड, जोधपुर

कक्षा : पाँचवी – जैन धर्म चन्द्रिका (परीक्षा 29 जुलाई, 2018)

समय : 3 घण्टे अंक : 100

रोल नं.: (अंकों में) .....

(शब्दों में) .....

परीक्षा केन्द्र की कोड संख्या :

केन्द्राधीक्षक/निरीक्षक के हस्ताक्षर

परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक निर्देश–

सावधान

1. परीक्षा में नकल नहीं करें। 2. प्रामाणिकता से परीक्षा देकर ईमानदारी का परिचय दे।
3. मायावी नहीं मेधावी बनें। 4. नकल से नहीं अकल से काम लें।

1. सभी प्रश्नों के उत्तर इसी पत्रक में प्रश्न के नीचे/सामने छोड़े गये रिक्त स्थान में ही लिखें।
2. काली अथवा नीली स्याही का प्रयोग करें, लाल स्याही का नहीं।
3. उत्तीर्ण होने के लिए कम से कम 50 प्रतिशत अंक पाना अनिवार्य है अन्यथा अनुत्तीर्ण माना जाएगा।
4. अधीक्षक, पर्यवेक्षक एवं वीक्षक के निर्देशों का पालन करें।
5. कहीं पर भी अपना नाम अथवा केन्द्र का नाम नहीं लिखें।

जाँचकर्त्ता के प्रयोग हेतु–

प्रश्न क्र.	1	2	3	4	5	कुल योग
प्राप्तांक						
पूर्णांक	10	10	10	28	42	100
पुनः जाँच						

जाँचकर्त्ता के हस्ताक्षर

प्र.1 निम्नलिखित प्रश्नों में से सही उत्तर का क्रमाक्षर कोष्ठक में लिखिए :- **10x1 = (10)**

(a) बल मद किया-

(क) मरीचि ने (ख) सुभूम चक्रवर्ती ने

(ग) श्रेणिक महाराज ने (घ) करगडु ने पूर्व भव में ( )

(b) ''जावनियमं'' शब्द का प्रयोग हुआ है-

(क) 10वें व्रत में (ख) बड़ी संलेखना में

(ग) 11वें व्रत में (घ) 9वें व्रत में ( )

(c) निर्बल से सबल छीनकर देवें तो दोष लगता है-

(क) अच्छिज्जे (ख) अणिसिट्ठे

(ग) उब्भिन्ने (घ) वणीमगे ( )

(d) 'शिव रमणी भरतार' किसके लिये कहा गया है-

(क) महावीर स्वामी (ख) ऋषभदेव

(ग) अरिष्टनेमि (घ) पार्श्वनाथ ( )

(e) अबोध बालक किसकी छाया को पकड़ना चाहता है -

(क) चन्द्रमा (ख) माता

(ग) प्रभु (घ) स्वयं ( )

(f) दूसरों को मानसिक हानि पहुँचाने का प्रयत्न करना है -

(क) संरंभ (ख) समारंभ

(ग) आरम्भ (घ) कोई नहीं ( )

(g) भगवान के गुण व्याप्त हैं-

(क) उर्ध्वलोक (ख) अधोलोक

(ग) मध्यलोक (घ) तीनों लोक ( )

(h) 'भोमालीए' का अर्थ है-

(क) गाय सम्बन्धी (ख) भूमि सम्बन्धी

(ग) चक्कर आना (घ) झूठी साक्षी देना ( )

(i) देव का आवश्यक है-

(क) पहला (ख) दूसरा

(ग) तीसरा (घ) चौथा ( )

(j) ''पुव्विपच्छासंथवं'' किसका दोष है-

(क) उत्पादना (ख)उद्‌गम

(ग) ग्रहणैषणा (घ) परिभोगैषणा ( )

प्र.2 निम्न प्रश्नों के उत्तर 'हाँ' अथवा 'नहीं' में दीजिए :- **10x1=(10)**

(a) सामायिक में मल-मूत्रादि त्यागने-परठने की भूमि देखना अनिवार्य है। ( )

(b) ''मैने बहुत किये अपराध'' चौबीसी के रचयिता त्रिलोक मुनि हैं। ( )

(c) आत्म-स्वरूप का स्मरण होना प्रमाद है। ( )

(d) 12 व्रतों में पाँच विरमण व्रत हैं। ( )

(e) दूध आदि पदार्थों की मर्यादा करना पेज्जविहि है। ( )

(f) ''संभीमं' का अर्थ रोग है। ( )

(g) कोयल के बोलने में बसंत ऋतु में आम्रवृक्ष की सुन्दर कलियाँ ही निमित्त बनती हैं। ( )

(h) प्राणियों की रक्षा करने के लिये आहार किया जाता है। ( )

(i) प्रतिक्रमण करने से सूत्र की स्वाध्याय होती है। ( )

(j) सचित्त वस्तु पर रखा हुआ आहारादि लेवे तो पिहित दोष लगता है। ( )

प्र.3 मुझे पहचानो :- **10x1=(10)**

(a) हमारे अत्यन्त निकट नहीं परठे। .....

(b) मुझ पर रही हुई साधारण जल की बूँद मोती की शोभा को प्राप्त करती है। .....

(c) समभाव की स्मृति बार-बार बनी रहे, इसके लिये मेरा पाठ बोला जाता है। .....

(d) मैं चौदह पूर्वों का पाठक हूँ। .....

(e) मेरे प्रभाव से जीव अनेक तरह के रूप धारण करता है। .....

(f) मेरा आसन शरणागति व विनय का प्रतिक है। .....

(g) मैं आप्त पुरुषों की वाणी हूँ। .....

(h) हम किंपाक फल और आशीविष के समान घातक हैं। .....

(i) मुझे देवता भी नमस्कार करते हैं। .....

(j) मैं हमेशा पास रखी जाने वाली उपधि हूँ। .....

प्र.4 निम्न प्रश्नों के उत्तर एक-दो पंक्तियों में दीजिए। **14x2 = (28)**

(a) **तुम बिन.....दयाल। रिक्त स्थान पूरा कीजिए ।**

.....

.....

(b) **अनंत सिद्ध.....चौबीसी भगवान। रिक्त स्थान पूरा कीजिए ।**

.....

.....

(c) **उच्चारण की अशुद्धि से होने वाली कोई दो हानियाँ लिखिए।**

.....

.....

.....

(d) **हास्य में एकाग्रता व मौखर्य में एकाग्रता को स्पष्ट कीजिए।**

.....

.....

.....

(e) **जीव अपने कर्मानुसार मरते और दुःख पाते हैं, फिर मारने वालों को पाप क्यों लगता है ?**

.....

.....

.....

(f) **दर्शन मोहनीय की प्रकृतियाँ कौन-कौनसी हैं ?**

.....

.....

.....

(g) **ईर्या समिति को परिभाषित करते हुए इसके कारणों के नाम लिखिए।**

.....

.....

.....

(h) पुप्फविहि.....महुरविहि। रिक्त स्थान पूरा कीजिए ।

.....

.....

(i) त्वत्संस्तवेन.....शार्वरमंधकारं। इस श्लोक का भावार्थ लिखिए।

.....

.....

(j) निम्न शब्दों के अर्थ लिखिए।

तक्करप्पओगे ..... दुगुंच्छियं .....

झूसणा ..... नाए वा .....

(k) परिभोगैषणा से सम्बन्धित दोषों के नाम लिखिए।

.....

.....

(l) भक्तामर के चौथे श्लोक ''वक्तुं गुणान्..... भुजाम्याम्।।'' का भावार्थ लिखए।

.....

.....

(m) अप्रत्याख्यानी क्रोध, मान, माया, लोभ किसके समान बताये गये हैं ?

.....

.....

(n) 12वें व्रत में करण योग क्यों नहीं है ?

.....

.....

प्र.5 निम्न प्रश्नों के उत्तर तीन-चार पंक्तियों में लिखिए : - **14x3=(42)**

(a) 'आयंबिल' ग्रहण करने का पाठ लिखिए।

.....

.....

.....

.....

.....

(b) **आवश्यक सूत्र को प्रतिक्रमण सूत्र क्यों कहा जाता है ?**

.....

.....

.....

.....

.....

(c) **आहार करने के छह कारण लिखिए।**

.....

.....

.....

.....

.....

(d) **नात्यद्भूतं.....करोति। रिक्त स्थान पूरा कीजिए।**

.....

.....

.....

.....

.....

(e) **परठने योग्य वस्तुएँ कौन-कौनसी हैं ?**

.....

.....

.....

.....

.....

(f) **84 लाख जीवयोनि के पाठ में बताये गये मनुष्य के 14 लाख जीवयोनि के भेद कैसे बनते हैं ?**

.....

.....

.....

.....

.....

(g) **रात्रि-भोजन-त्याग श्रावक व्रतों के पालन में किस प्रकार सहयोगी बनते हैं ? कोई चार कारण बताइये।**

.....

.....

.....

.....

.....

(h) **वक्त्रं.....कल्पम्। रिक्त स्थान पूर्ण कीजिए।**

.....

.....

.....

.....

.....

(i) **अतिक्रम, व्यतिक्रम, अतिचार और अनाचार किसे कहते हैं ?**

.....

.....

.....

.....

.....

(j) **ज्ञान व ज्ञानी की सेवा क्यों करनी चाहिए ?**

.....

.....

.....

.....

.....

(k) **पाँच प्रकार के प्रतिक्रमण मुख्य रूप से कौन-कौनसे पाठ से होते हैं?**

.....

.....

.....

.....

.....

(l) **निम्न शब्दों के अर्थ लिखिए-**

कालं अणवकंखमाणे .....

सहसागारेणं .....

सव्व समाहिवत्तियागारेणं .....

(m) **मृषावाद कितने प्रकार का है ? स्पष्ट कीजिए।**

.....

.....

.....

.....

.....

(n) **उत्कृष्ट 170 तीर्थंकर कैसे होते हैं ? संक्षिप्त में समझाइए।**

.....

.....

.....

.....

.....